

#08



ज्ञान की
लड़ाई

रिकू एक कॉलेज का छात्र है जो कि कुछ पैसों के लिए बिजली विभाग में पार्ट टाइम काम करता था।

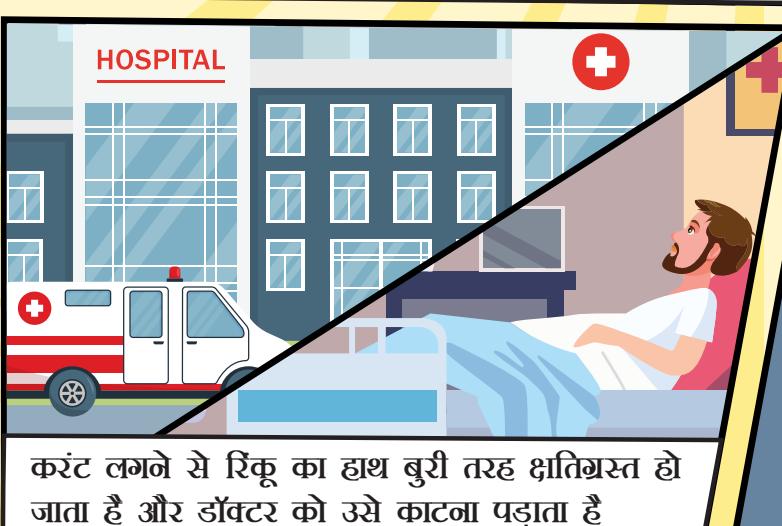


बिजली विभाग के ऑफिस में



ट्रांसफार्मर पर कुछ मरम्मत कार्य करते समय, आकस्मिक विद्युत प्रवाह के कारण, उसे करंट लग जाता है।

कुछ महीने बाद बिजली विभाग के ऑफिस में



करंट लगने से रिकू का हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाता है और डॉक्टर को उसे काटना पड़ता है।

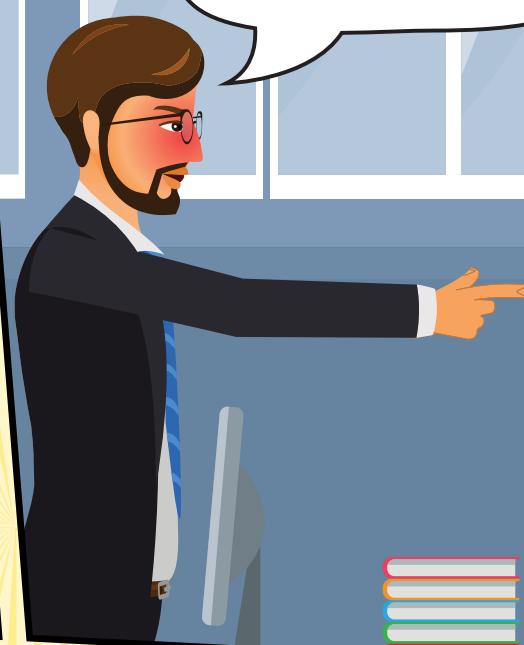


परेशान होकर रिकू बोला.....

सर, ये कुछ हजार रुपयों से क्या होगा।

आपके कहने पर मैं काम पर गया और मेरे साथ ये हादसा हो गया, इसका हर्जना कौन भरेगा?

तुमने काम में लापरवाही की होगी तभी तुम्हारे साथ हादसा हुआ। तुम संस्था के कर्मचारी नहीं हो तो हमारी कोई जम्मेदारी नहीं है।



रिकू कई बार दफ्तर के चक्कर लगाता है पर महीनों की कोशिश के बाद भी कोई हल नहीं निकलता है।



बिजली विभाग के पास चल रहे न्याय बंधु जागरूकता अभियान को देखकर रिकू वहां जाता है।



अपनी आप बीती बताने के बाद लों स्टूडेंट रिकू को अपने साथ लों कॉलेज चलने को कहता है।

कुछ देर बाद

LAW COLLEGE

आप मेरे साथ कॉलेज के प्रो
बोनो वलब में चलो, वहाँ
आपको कोई न कोई मदद
जरूर मिलेगी।

प्रो बोनो वलब के अंदर

आपको न्याय बंधु प्रो बोनो
लीगल सर्विस के अंतर्गत
पंजीकरण करवाना चाहिए, वहाँ
आपको वकील से निःशुल्क
कानूनी सहायता मिल जाएगी।

हाँ मुझे भी लगता
है कि अब वकील
से ही मदद लेना
बेहतर होगा।

अगले दिन वकील के ऑफिस में विस्तार से बात करते हुए

सर जैसा कि मैंने आपको अपने साथ
हुए हादसे के बारे में विस्तार से
बताया, क्या मैं किसी भी प्रकार के
मुआवजे का हकदार नहीं हूँ?

आपकी सारी बात समझता हूँ, और
आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं आपको
आपके हक का मुआवजा दिलाने की
पुरजोर कोशिश करेंगा और आपका न्याय
बंधु के अंतर्गत केस भी निःशुल्क
लड़ूंगा।



न्याय बंधु सर्विस के अंतर्गत मुझे वकील मिला और उन्होंने निःशुल्क मेरा केस लड़ा और उनके अथक प्रयासों से मुझे 50,000 रुपये भी मुआवजे के रूप में बिजली विभाग से प्राप्त हुए जिसके लिए मैं न्याय बंधु सर्विस का बहुत आभारी रहूँगा।

